भारत सरकार

अंतरिक्ष विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 163

बुधवार, 07 दिसंबर, 2022 को उत्तर देने के लिए

नेविगेशन प्रणाली विकसित करना

163. श्री मोहनभाई कुंडारिया:

क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का देश की अपनी नेविगेशन प्रणाली विकसित करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा और इसकी मुख्य विशेषताएं क्या हैं तथा इसकी पहुंच कहां तक है;

(ग) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं और इसे विकसित करने में कितना समय लगने की संभावना है; और

(घ) देश में सभी क्षेत्रों में उपयोग किए जा रहे तीसरे पक्ष की नेविगेशन प्रणाली को समाप्त करने की समयबद्ध कार्य योजना का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय

तथा प्रधान मंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री

(डॉ. जितेन्द्र सिंह) :

(क) इसरो/ अं.वि. ने नाविक (नेविगेशन विथ इंडियन कॉन्स्टिलेशन) नामक देश की अपनी नेविगेशन प्रणाली विकसित की है।

(ख) नाविक भारतीय भू-भाग एवं भारतीय सीमा से 1500 कि मी तक के क्षेत्र को आवृत करने वाली एक स्वतंत्र क्षेत्रीय नेविगेशन प्रणाली है। यह प्रणाली जी.ई.ओ./जी.एस.ओ कक्षाओं में सात उपग्रहों के समूह के रूप में डिजाइन की गई है। इन उपग्रहों द्वारा प्रसारित संकेत नागरिक उपयोग के लिए निःशुल्क उपलब्ध हैं।

(ग) प्रश्न उत्पन्न नहीं होता। वर्ष 2013 से 2018 के दौरान उपग्रह समूह की स्थापना की गई थी और प्रणाली तब से प्रचालनशील है।

(घ) जी, नहीं। देश में तीसरे पक्ष की नेविगेशन प्रणाली के उपयोग को इसरो/अं.वि. द्वारा नियंत्रित नहीं किया जाता है।

***